EXPRESSIONS

मंज़िल उन्हें मिल जाती है

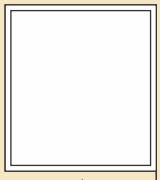

देविका
IX A3/

सूई घड़ी की पल–पल चलकर
हमको यह सिखलाती है,
जो विश्वास लेकर चले
मंज़िल उन्हें मिल जाती है।
जग को रोशन करने वाला
अंधकार को खाता है,
जलकर सारी रात अंत में।
सूरज सदैव चमकता रहता,
हवा सदा लहराती है
जो विश्वास लेकर चलें
मंज़िल उन्हें मिल जाती हैं।
अगर करना है कुछ जीवन में
करो साधना चलने की
यदि बढ़ना है आगे तुमको
सवेरा उम्मीद सँभलने की
पिता भी सदा कहते मुझसे
माँ हमेशा समझाती हैं।
जो विश्वास लेकर चलें
मंज़िल उन्हें मिल जाती है।

दोस्ती

दुनिया वालों के लिए
तो बस एक नाम है दोस्ती,
मिल जाए अगर
सच्चा दोस्त तो भगवान है दोस्ती।
दिखाई कम देती है
मगर सरेआम है दोस्ती।
जलाती है हर दिल में आग,
वो इंतकाम है दोस्ती।
कोई कुछ भी कहे
इसको लेकिन महान है दोस्ती।
अब क्या कहें उन्हें
जिनके कारण आज बदनाम है दोस्ती।

गलती का पुतला

मानव तो गलती का पुतला,
गलती किस से न होती है,
गलतियों से ही दुनिया ने सीखा
नई खोज ऐसे होती है।
मानव तो गलती का पुतला।
मानव की गलती ही है
दुनिया के विकास का आधार
ऐसे ही होते है सपने साकार।

कर्ज़दार

कर्जदार है तू उसकी ममता का,
तुझे चलना उसने सिखाया,
तेरे सिर से कभी न हटाया अपना साया,
आज तूने एक पल में बना दिया अपनी माँ को पराया,
तुझे वो अपना बचपन याद न आया,
जब तू बचपन में रोता था,
तो उसकी गोद में ही चुप होकर सोता था,
जब भूख तुझे सताती थी,
तेरी नन्ही सी जुबान बोल न पाती थी,
वो तेरी माँ तुझे बिना बोले ही समझ जाती थी,
आज उसकी बात तुझे पकाती है
आज तेरे लिए तेरी माँ तुझे सताती है
पता है बस तेरे लिए ही तो वह
मंदिर में दुआ माँग कर आती है, तुझे पता है तेरी कड़वी बातें
तेरी माँ को कितना रुलाती हैं। जब डर तुझे सताता था,
उसका आँचल ही तुझे छिपाता था, जब तू अकेला रोता था,
उसकी लोरियाँ सुनकर ही चुप होता था,
उसने कभी तुझे अकेला ना छोड़ा,
कभी भी तुझसे ममता का रिश्ता ना तोड़ा।
फिर भी आज तू उसे अकेला छोड़ गया,
अपनी माँ की खुशियों को तोड़ गया,
एक पल भी चैन की नींद न सोती है,
याद कर वो दिन, जब चोट तुझे लगती थी,
और दुख उसे होता था,दर्द तुझे होता था, दिल उसका रोता था,
आज तेरी नजरों में उसका प्यार झूल गया,
क्या आज तू उसकी ममता को भूल गया?
आज तू जो भी है उसी ने बनाया,
फिर भी तूने उसके बुढ़ापे में उसका साथ न निभाया,
उसी ने तुझे चलना सिखाया,
उसी ने तुझे गिर के संभलना सिखाया, पर फिर भी तू आज
अपनी माँ की ममता को समझ न पाया,
अब तूने बना दिया उसे पराया,
इसलिए तो उसके मरने पर भी न तू आया,
तेरा दिल अपनी माँ के आँसुओं से भी न पिघल पाया,
क्या तुझे उसका प्यार याद नहीं?
क्या तू उसकी ममता का कर्जदार नहीं?
अब वो इस दुनिया से जा चुकी हैइस दुनिया के सारे गम पा चुकी है
एक दिन जब तेरा बुढ़ापा आएगा, तू खूद को अकेला पाऐगा,
तब तू अपनी माँ की ममता को समझ पाएगा,
तूने उसकी ममता का कर्ज न चुकाया,
तूने उसके बुढ़ापे में ना दिया प्यार,
तू है उसकी ममता का कर्ज़दार।

Nobility comes from ones good actions not knowledge.

Contributed by : Simi Roy IX B1/10486

EXPRESSIONS

नाना–नानी के नाम

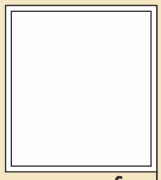

मर्यादा
X A3/5036

उधम करूं पर रोक न एक,
तनिक किसी की टोक न एक,
तिलमिल करती बाग में धाम,
सुबह सुनहरी चहके शाम,
गरमी की ये सभी छुट्टियां,
नाना नानी जी के नाम।
मामी मूर्ख बनाएं एक,
नानी कथा सुनाएं एक,
दिनभर गपशप और आराम,
मम्मी जी का बस यह काम,
गरमी की सभी छुटियां,
नाना–नानी जी के नाम।
गरम कचौड़ी सुबह को एक,
दूध जलेबी पहले एक,
थोड़े जामुन, ज्यादा आम,
काले–काले पीत ललाम,
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ,
नाना नानीजी के नाम।
चिढ़ाते रहते मामा एक,
फुलस्टॉप न कॉमा एक,
मौसी करती प्यार तमाम,
इन सबको मैं करूं प्रणाम,
गरमी की ये सभी छुट्टियाँ,
नाना नानी जी के नाम।

क्रियाकलाप

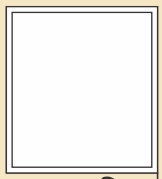

रगक्षित
VII B/11324

मन मेरा ये चाहे हूँ लूँ बढ़कर मैं आकाश
राह है लम्बी जीवन छोटा
समय न मेरे पास
फिर भी मुझको इच्छा बल से
बढ़ना है–चढ़ना है
रास्ता चाहे कैसा भी हो
मुझको तय करना है
दृढ़ विश्वास जो मेरा साथी
क्यों न करूँ प्रयास
मन मेरा ये चाहे छूँ लूँ बढ़कर मैं आकाश
राह है लंबी जीवन छोटा समय न मेरे पास
जीवन के इस इक–इक पल को मुझको यहाँ भुनाना
राह है लंबी जीवन छोटा समय न मेरे पास

प्यारा भारत

यहीं हिमालय सा पहाड़ है,
यहीं गंगा की धारा है,
यमुना लहराती है सुंदर,
भारत कितना प्यारा है।
फूल–फूल से भरी भूमि हैं,
खेतों में हरियाली है,
आमों की डाली पर बैठी,
गाती कोयल काली है।
बच्चों माँ ने पाल पोसकर,
तुमको बड़ा बनाया है,
लेकिन यह मत भूलो तुम ने,
अन्न कहाँ का खाया है।
तुमने पानी पिया कहाँ का,
खेले मिट्टी में किसकी,
खेले हवा में किसकी बोलो,
बच्चों प्यारे भारत की।

भारत के जवान लौह पुरूष समान

हाथों में बंदूक लिए, सिर पर बाँधे हिम्मत का सहरा
भारत माँ के पूत बहादुर, सीमा पर देते पहरा
नसों में भारत का खून दौड़ता,
वतन पर जान छिड़कते है,
जब कोई वतन पर बुरी नज़र डाले,
तो शहीद होने में भी न झिझकते हैं।
भारत माँ के बेटे है ये,
मात्रभूमि की रक्षा इनका काम है,
दुश्मन को घायल करते है ये,
वीर जवान और शेर बहादुर इनके नाम हैं।
हर समय दिल में देशप्रेम की भावना लिए,
मृत्यु से भय न रखते हैं,
मरने के बाद भी भारत की भूमि
पर ही जन्म लेने की इच्छा रखते हैं।
चिलचिलाती गरमी हो या कड़ाके की ठंड
रेगिस्तान की रेत हो यह सिआचीन की बर्फ
हम सब सो जाते हैं होते ही रात
पर वह सीमा पर रहते है तैनात।

It needs intelligence, deligence, patience and perseverance to become overnight success.

Contributed by: Aditya Kr. Gupta X B1/9653

EXPRESSIONS

दुख–सुख

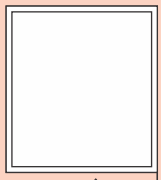

प्रेरणा
X A2/8441

जिंदगी में जब दुख आता है,
तो क्यों इंसान घबरा जाता है,
क्यों ना वो दुख को भी,
सुख की तरह अपनाता है।
दुख के बाद सुख जरूर आता है,
जो खुद को दुख–सुख में
अपने आपको समान बनाता है,
वह हर मुसीबत को पार कर जाता है।
दुख को देखकर मत घबराओ,
उसे भी खुश होकर दिखाओ,
खुद को हर स्थिति में समान बनाओ,
मत घबराओ, मत रूक जाओ।
जिसका होंसला टूट जाता है,
वह अपनी जिंदगी से रूठ जाता है।
दुखों से तुम मत घबराओ,
आगे–आगे बढ़ते जाओ।

हम हैं पहरेदार देश के

हम हैं पहरेदार देश के, हम हैं पहरेदार।
युद्ध चाहते नहीं कभी भी,
शांति हमारी नीति।
हम सारी दुनिया से रखते,
भाई की सी प्रीति।
सत्य अहिंसा, मानवता से हम करते हैं प्यार।
हम हैं परहेदार देश के,
हम हैं पहरेदार।
कभी नहीं हम मिटने देते, भारत माँ का मान।
स्वतन्त्रता की ही रक्षा में, हो जाते बलिदान।
सीमाओं पर खड़े हुए बन, लोहे की दीवार।
हम हैं पहरेदार देश के, हम हैं पहरेदार।

अपने लिए हमेशा बड़ा लक्ष्य तय कीजिए। फिर खुद को उस लक्ष्य में झोंक दीजिए। रोज रात को सोते समय खुद को याद दिलाइए कि आपका लक्ष्य क्या हैं? सो कर उठिए तो सबसे पहले यही बात दोहराइए।

एक माँ की चिट्ठी

प्रिय टीचर,
मेरा बेटा आज से स्कूल जाना शुरू कर रहा है। थोड़े समय के लिए उसे सब कुछ नया और अजीब लगेगा, और मैं चाहती हूं कि तुम उसके साथ नरमी से पेश आओ। देखो, अब तक वह अपने घर का राजा था, अपनी दुनिया में उसकी मर्जी चलती थी। उसके हर ज़ख्म पर मरहम लगाने के लिए मैं हमेशा उसके आस–पास रही हूं। लेकिन अब सब कुछ बदल जाएगा।
आज सुबह, वह सीढ़ियां उतरकर, हाथ हिलाकर एक ऐसे सफ़र पर चल देगा, जिसमें शायद लड़ाई, दुर्घटनाएं और दुःख भी शामिल होंगे। जिस दुनिया में उसे जीना है, उसमें ज़िंदा रहने के लिए उसे आस्था, प्यार और हिम्मत की जरूरत पड़ेगी। इसलिए मैं चाहती हूं कि तुम उसके छोटे से हाथ को थामो और वो सब सिखाओ जो उसे जानना चाहिए।
उसे सिखाओ कि धोखे से जीतने से कहीं ज्यादा गरिमा सच्चाई से हार जाने में है। उसे अपने विचारों पर आस्था रखना सिखाओ, ख़ासकर तब जबकि सब उसे ग़लत कहें। उसे सिखाओ कि वह अपनी बुद्धि और रूप को भले ही ऊंची से ऊंची क़ीमत पर बेच दे, लेकिन अपने दिल और आत्मा का सौदा कभी न करे। उसे सिखाओ – चीख़ती–चिल्लाती भीड़ के शोर की तरफ़ अपने कान बंद करना और अगर वह सही है तो खड़े होकर लड़ना। उसे नरमी से सिखाना मगर उसे कमज़ोर मत बनाना, क्योंकि आग में तपकर ही लोहा बेहतरीन इस्पात बनता है।

आपका अति धन्यवाद।

एक माँ

शिक्षक महान हैं

वह शिक्षक महान है, देता हमें जो ज्ञान है।
शिक्षक की इज्ज़त करना, हमारी शान है।
हम फूल है चमन के, शिक्षक बगिया है।
शिक्षक से ही महकता, सारा जहान है।
शिक्षक ही तो दुनिया को सद्मार्ग दिखाता है।
जो खत्म ना होता, वह देता दान है ।।
शिक्षक की आज्ञा मानना, ये सबका धर्म है ।
शिक्षक को सम्मान देना, छात्र का कर्म है।
शिक्षक की इज्ज़त करना, अपनी शान है।
शिक्षक महान है, देता हमें ज्ञान है।।

Confidence without character is dangerous.

Contributed by: Sujal Singh X B1/7785

EXPRESSIONS

वातावरण

आसमान है नीला–नीला
पक्षियों का गीत सुरीला।
बरसात हो रही है
मन्द मन्द
हवा चल रही है
सरल–सरल
खेतों में हरियाली है
वातावरण में सुन्दरता फैली है।
जब कली हरियाली लाती है
हवा भी अपनी आवाज सुनाती है।
नदियाँ मन्द मन्द बहती हैं।
वातावरण की सुन्दरता बढ़ जाती है।
आकाश में रहने वाली कोयल
गीतों की रानी कहलाती है।
फूल खिले है, रंग बिरंगें
इन की सुन्दरता देख सब हो रहे अचम्भे।
आसमान है नीला–नीला
पक्षियों का गीत सुरीला

बाल मज़दूरी

जाने क्या हो गया है दुनिया में लोगों को
जहाँ देखो वहीं गरीब माँ–बाप
मज़दूरी करने
भेज रहे हैं अपने बच्चों को
कैसे पढ़े गरीब बच्चे
हो रहा उनका भविष्य खराब
जिसके कारण हो रहा है
देश का भी भविष्य खराब
पर बेचारे गरीब माँ–बाप भी क्या करें
वे भी हैं मजबूर
कहाँ से आए उनके पास पैसे
जिससे कि उनके बच्चे पढ़ लिख सकें
अब हमें ही कुछ करना होगा
तो लिजिए यह प्रण
कि जहाँ भी दिखे बाल मज़दूर
करनी होगी उनकी गरीबी दूर
कराना होगा उनके माँ–बाप से सरकार
द्वारा की गई सुख–सुविधा का परिचय
जिससे सुधर सके हमारे देश का भविष्य

एक था बहादुर फौजी

पहले था मैं बहादुर फौजी
अब बन गया हूँ खज़ाने का खोजी
लोगों को मैं कहता हूँ
और भगवान से यही दुआ करता हूँ
खज़ाना मुझे मिल जाए
तलाश में कही सारी उमर न बीत जाए
जिस दिन मुझे मिलेगा खज़ाना
मैं सीख जाऊँगा नाम कमाना
जब मैं पहले फौजी था
पैसे कमाने की सोचता था
अब मैं अमीर हूँ तो
पैसे खर्च करने की सोचता हूं
जब मैं पहले फौजी था, मैं सुखी था
अब मैं अमीर हूँ
तो सुख खोजता हूँ।

LET'S GET QUIZZICAL-36 (Answers)

Ans. 01. All of the above
Ans. 02. Bangkok
Ans. 03. Limestone and dolomite.
Ans. 04. Bharat Ratna
Ans. 05. Lithosphere
Ans. 06. Manipur
Ans. 07. Howrah Bridge
Ans. 08. Area
Ans. 09. Zones of climate
Ans. 10. All the above
Ans. 11. Equator
Ans. 12. Badminton
Ans. 13. Mathli is an illusion and that the only reality that which exists mentally.
Ans. 14. South Korea
Ans. 15. Romer
Ans. 16. Rourkela
Ans. 17. Thiruvananthapuram→ Cochin→ Calicut→ Mangalore
Ans. 18. Kiribati
Ans. 19. Multilateral Agreement on Investment
Ans. 20. Track-IV diplomacy
Ans. 21. K D Jadhav (Khashaba Dadasaheb Jadhav)
Ans. 22. Abraham Lincoln

If something is good, it doesn't mean it is good for you also.
Contributed by: Sahil Ranjan XII H2/11319